

19.1.25 पत्रवाली पत्र 32

पत्रवाली वही 34।

और प्रमाणित सं. 23 में ए के अन्तर्गत
समाप्त का भी वही का पत्र सं. जो पत्र का
पत्रवाली 7.5.25 को प्रेषित

सहायक कलकत्ता
SDO सिणधरी

7.5.25

वकील वादी / प्राथी उपरिधत । पीठासीन
अधिकारी दिग्व प्रशासनिक कार्य में व्यस्त है।
पत्रवाली वास्तु 25.6.25 को पत्र
दिनांक 25.6.25 को पेश हो।

25.6.25

पत्रवाली पत्र 32
पत्रवाली वही 34।
और प्रमाणित सं. 23 में ए के अन्तर्गत
पत्रवाली वही 30.7.25 को प्रेषित

सहायक कलकत्ता
SDO सिणधरी

30.7.25

पत्रवाली पत्र 32
वादी वकील अग्रपक्षिता वादी सं. के उपरिधत
नहीं 34।

आप आचार्य सत्य में प्रमाणित वही का अन्तर्गत
दिनांक पत्र सं. अन्तर्गत 32 में से प्रेषित का वास्तु 31:
अन्तर्गत दिनांक पत्र के अन्तर्गत के अन्तर्गत सं. 31 में
वही में ही प्रेषित कि जो उपरिधत नहीं होते में प्रेषित
होता है कि वे वास्तु में प्रेषित नहीं कलकत्ता वास्तु का

दिनांक पत्र सं. 31 में वही के अन्तर्गत में
वास्तु 25.6.25 का अन्तर्गत (सं. 31 का वास्तु) में अन्तर्गत
दिनांक पत्र
पत्रवाली अन्तर्गत अन्तर्गत प्रेषित वही 34।

सहायक कलकत्ता
SDO सिणधरी

